भारत सरकार

रक्षा मंत्रालय

रक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1577

27 नवंबर, 2019 को उत्तर के लिए

चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ

1577. श्री भर्तृहरि महताब :

श्री राहुल रमेश शेवाले :

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने जम्मू और कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र सहित देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में चीनी सैनिकों की घुसपैठ और उल्लंघनों पर ध्यान दिया है;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान ऐसे कितने मामलों का पता चला है;

(ग) क्या उक्त अवधि के दौरान ऐसी घटनाओं में हताहतों के बारे में पता चला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या हाल के दिनों में चीनी राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान उनके साथ इस तरह की घटनाओं और उल्लंघनों के बारे में चर्चा हुई है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा अन्य क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री श्रीपाद नाईक)

(क) भारत और चीन के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में सामान्य रूप से रेखांकित कोई वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) नहीं है। वास्तविक नियंत्रण रेखा के निकट कुछ क्षेत्र हैं जहां दोनों पक्षों का वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर अलग-अलग प्रत्यक्ष ज्ञान है। दोनों

पक्षों द्वारा वास्तविक नियंत्रण रेखा के उनके संबंधित प्रत्यक्ष ज्ञान तक गश्त लगाने के कारण अतिक्रमण होते हैं।

(ख) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान अतिक्रमण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

(i) 2016 - 273

(ii) 2017 - 426

(iii) 2018 - 326

(iv) 2019 - सूचना एकत्र की जा रही है

(ग) किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है।

(घ) और (ड.) चीनी राष्ट्रपति के हाल ही के दौरे के दौरान सीमा संबंधी प्रश्न के साथ-साथ बाकी मुद्दों पर विचार-विनिमय हुआ था। विचार-विमर्श के मुद्दों में वर्ष 2005 में दोनों पक्षों द्वारा सहमत राजनैतिक मापदंडों और मार्गदर्शक सिद्धांतों के आधार पर उचित, पर्याप्त और परस्पर स्वीकार्य व्यवस्था के लिए परस्पर-सहमत ढांचे पर पहुँचने के लिए प्रयास भी शामिल थे। सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति सुनिश्चित करने के सतत प्रयासों और अतिरिक्त विश्वास निर्मित करने के उपायों पर चर्चा हुई थी।

*****